सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2025-26

कक्षा:-8	विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक	पाठ:14 आइंस्टीन का बड़प्पन

मौखिक कौशल

1. अल्बर्ट आइंस्टीन। वे जर्मनी के रहने वाले थे।

2. आइंस्टीन ने दो महान बलों गुरुत्वाकर्षण और विद्युत चुंबकत्व पर काबू रखने वाले नियम की खोज की।

3. विज्ञान के अलावा आइंस्टीन का गणित की तरफ रुझान था।

4. आइंस्टीन को विद्यार्थियों से लेकर मिल-मजदूर तक सभी जानने लगे। अखबारों में उनके चित्र छपते रहते थे। इतनी ख्याति से उन्हें घबराहट होती थी।

5. आइंस्टीन अपनी वर्षगाँठ भूल गए थे।

6. विज्ञान के क्षेत्र में मनुष्य जाति की अनेक तरह सेवा करके आइंस्टीन का जीवन सफल हुआ।

लिखित कौशल

1. (क) आइंस्टीन ने प्रकृति के यो महान बलों गुरुत्वाकर्षण और विद्युत चुंबकत्व पर काबू रखने वाले नियम की खोज की। इन खोजों ने उन्हें सारी दुनिया में प्रसिद्धि दिलाई। इसके लिए जाति, धर्म और राष्ट्र की सीमा लांघकर लोग उन्हें बधाइयाँ देने लगे।

(ख) आइंस्टीन की पत्नी का नाम एल्सा था। वे अपने पति की सादगी, नम्रता और तड़क-भड़क से दूर रहने वाले स्वभाव को अच्छी तरह जानती थी। अपनी वर्षगाँठ पर आइंस्टीन बढ़िया पहनें, परंतु वे अपने पति की आदतों को भली-भाँति जानती थी। पति की इन्हीं आदतों से एल्सा चिंतित रहती थीं।

(ग) आइंस्टीन मानवता के पुजारी और विश्वशांति के प्रेमी थे। उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में अनेक बड़ी बड़ी खोजें करके मानव जाति की बहुत बड़ी सेवा की। सभी धर्मों, जाति एवं राष्ट्र के लोग उन्हें विश्व नागरिक के रूप में प्रेम करते थे। इस तरह वे विश्व शांति के प्रतीक बन गए।

(घ) एक बार एक फोटोग्राफर उनकी फोटो ले रहा था। इससे वे चिढ़ गए और चित्र बिगड़ जाए इस हेतु वे जीभ निकालकर खड़े हो गए। लेकिन उनका यही फोटो दुनिया में मशहूर हो गया। महान वैज्ञानिक की बालकों जैसी अबोधता वाली फोटो खींचने वाले फोटोग्राफर की बहुत प्रशंसा हुई।

(ङ) आइंस्टीन सादगी, नम्रता और तड़क-भड़क की दुनिया से दूर रहने वाले व्यक्ति थे। सारी दुनिया में सफल होने के बावजूद भी ये इतने नग्न थे कि यश और कीर्ति का माह उन्हें छू तक नहीं पाया था। प्रसिद्धि और मान-सम्मान से दूर भागने वाले आइंस्टीन ने दुनिया की बिना किसी स्वार्थ के सेवा की। वे हमेशा अज्ञात और अप्रसिद्ध आदमी की तरह जीना चाहते थे। इनकी सादगी के कारण ही दुनिया उन्हें मान-सम्मान देती थी।

मूल्यपरक प्रश्न

1. आइंस्टीन के सिद्धांत के मुताबिक, दो वस्तुओं के बीच गुरुत्वाकर्षण की ताकत उनके द्रव्यमान और एक-दूसरे से दूरी पर निर्भर करती है। इससे वस्तुओं की गति का अनुमान लगाया जाता है। प्रत्येक ऊपर जाने वाली वस्तु नीचे अवश्य गिरती है। इससे हम जीवन के बारे में यह सीखते हैं कि जीवन में चाहे हमें कितनी भी सफलता मिल जाए, परंतु हमेशा जमीन से जुड़े रहना चाहिए। हमारे अंदर कभी भी अंहकार या दिखावे का भाव नहीं आना चाहिए।

2. अल्बर्ट आइंस्टीन के जीवन से हमने समय के बारे में यही सीख ली है कि समय चाहे कैसा भी हो अर्थात् हम चाहे सफलता की ऊँचाइयों को छू रहे हों तो भी हमें सामान्य आदमी की तरह जीना चाहिए। कभी भी दिखावा नहीं करना चाहिए।